

Liberalisation of personal Baggage Rules for persons of Indian Origin

3295. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to liberalise the rules of personal baggage which a person of Indian origin can bring along with him while returning here after one year, two years, three years;

(b) if so, the broad details thereof; and

(c) from what date new rules are proposed to be brought into force to avoid unnecessary hardships being caused by the Customs Authority to persons of Indian origin on arriving in India?

THE MINISTER OF FINANCE & REVENUE AND COOPERATION (SHRI H. M. PATEL): (a) to (c). Government had appointed a Committee to examine and recommend measures to expedite the pace of clearance of international passengers and their baggage. Its recommendations regarding the amendment, relaxation and simplification of baggage rules are under consideration of the Government. A decision will be taken shortly on these recommendations.

काटन का निर्यात

3296. श्री फूल चन्द वर्मा : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत वर्ष देश में काटन का निर्यात किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो काटन का किस-किस देश को कितने-कितने मूल्य का तथा किस दर पर निर्यात किया गया ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Steps against Hijackers at Indian Airports

3297. SHRI YASHWANT BOROLE: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state what concrete steps have been taken to ensure that hijackers do not board the international flights from Indian airports in view of the alarming increase in hijacking?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): While it would not be in the public interest to disclose specific steps proposed to be taken, existing measures to guard against hijacking such as control of access points to operational areas, frisking of persons and search of hand baggage, care regarding stamping of boarding cards as well as adequate guarding of perimeters have been tightened up.

अनिवार्य जमा योजना

3298. श्री सुशील कुमार धारा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अनिवार्य जमा योजना को समाप्त करने पर सरकार को कर्मचारियों आदि को कुल कितनी धनराशि अदा करनी पड़ी;

(ख) सरकार की इस अपील पर कर्मचारियों की क्या प्रतिक्रिया थी कि कर्मचारी अनिवार्य जमा योजना के अंतर्गत जमा राशि का अधिकतम अंश सरकार के 13 प्रतिशत व्याज वाले नये बांड में निवेशित करें और कर्मचारियों ने वस्तुतः कितनी राशि के बांड खरीदे; और

(ग) अनिवार्य जमा योजना को समाप्त करने पर सरकार द्वारा की गई अदायगियों की बाजार में मूल्यों पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जूलफिकार उल्ला): (क) अतिरिक्त उपलब्धियां (अनिवार्य निक्षेप) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत महंगाई भत्ते की आधी रकम को 6 मई, 1977 से काटना बंद कर देने के केन्द्रीय सरकार के निर्णय के परिणामस्वरूप भविष्य में जो रकम न काटी जाकर कर्मचारियों के लिए छोड़ दी गई है वह अनुमानतः लगभग 50 करोड़ रुपये प्रति माह बैठती हैं। परन्तु जहां तक अधिनियम के अंतर्गत कर्मचारियों द्वारा पहले से जमा करवाई गयी अनिवार्य जमा की रकमों की वापसी अदायगी का संबंध है, यह अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित तरीके के अनुसार बराबर-बराबर की पांच वार्षिक किस्तों में वापस की जानी है। चालू वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त वेतन जमा की तीसरी किस्त तथा अतिरिक्त महंगाई भत्ते की जमा रकमों की दूसरी किस्त के रूप में जो कुल रकम (मूलधन के रूप में) वापस अदा की जानी है वह लगभग 232 करोड़ रुपये बैठती है।

(ख) संभवतः माननीय सदस्य का आशय राष्ट्रीय विकास बांडों से है जो 31 अगस्त, 1977 को जारी किये गये थे। इनसे 15 अक्टूबर, 1977 तक लगभग 7.5 करोड़ रुपये की कुल रकम प्राप्त हुई है। चूँकि इन बांडों में आम जनता धन लगा सकती है और अतिरिक्त उपलब्धियां (अनिवार्य निक्षेप) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं है इसलिए कर्मचारियों द्वारा इन बांडों में जो धन लगाया गया है उसके आंकड़े अलग से उपलब्ध नहीं हैं। अतः यह बताना संभव नहीं है कि कर्मचारियों में इस योजना के प्रति कितना उत्साह है।

(ग) अर्थ व्यवस्था में पूर्ति और मांग के ऊपर बहुत से कारणों का प्रभाव एक साथ पड़ता है जिनमें कीमतों का सूत्र प्रभावित होता है। इसलिए यह बताना मुश्किल है कि केवल एक कारण से, अर्थात् अनिवार्य कटौतियों को बंद कर देने तथा अधिनियम के अंतर्गत जमा की गयी रकमों की वापसी अदायगी किये जाने से बाजार में कीमतों पर कितना प्रभाव पड़ा है।

Non-Stop Flight from Delhi to Madras and Vice Versa

3299. SHRI C. N. VISVANATHAN: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have since finalised action on representations from Members of Parliament and other members of the public regarding re-introduction of non-stop flight from Delhi to Madras and vice versa;

(b) the loss incurred by stops at Hyderabad and Nagpur so far; and

(c) the earliest date by which Government propose to introduce direct flight from Delhi-Madras and vice versa?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) Yes, Sir.

(b) The estimated profitability on the Delhi/Nagpur/Madras flights was slightly less in the first two months of operations i.e. in July and August, 1977 as compared to the same period in 1976. The profitability of this service improved in September, 1977 and was slightly more as compared to September, 1976. Madras/Hyderabad/Delhi service has always been operated via Hyderabad and has not resulted in any operating loss.

(c) With effect from 2nd November 1977, Indian Airlines have introduced the direct Delhi/Madras/Delhi flight on four days in a week, viz. Mondays,